हिमाचल अभी अभी

/himachal.abhiabhi @himachal_abhi

नई सोच नई खोज

साप्ताहिक

RNI No. HPHIN/2015/68432 वर्ष 5 अंक 28 धर्मशाला। शनिवार, 28 मार्च -03 अप्रैल, 2020 www.himachalabhiabhi.com तदनुसार 15 चैत्र, विक्रमी संवत् 2076 कुल पृष्ठ 12 मूल्य ₹5 | Postal Regn.No. DGPUR/26/15-17

महागौरी की पूजा...

-पढ़ें पेज 2 पर

राम नवमी

पुराणों के अनुसार भगवान राम का जन्म चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि के दिन हुआ था। भगवान राम को भगवान विष्णु का सातवां अवतार माना जाता है। भगवान राम को मर्यादा पुरुषोत्तम भी कहा जाता है। भगवान राम ने ही अहंकारी रावण का वध करके धरती पर पुनः धर्म की स्थापना की थी। रामनवमी के दिन भगवान श्री राम के भजन कीर्तन आदि किए जाते हैं। इस दिन कई घरों में रामायण और रामचरित मानस का पाठ भी किया जाता है। इस दिन भगवान श्री राम को झूले पर झूलाने की भी परंपरा है। इस दिन भगवान श्री राम के भक्त उपवास रखते हैं।

रामनवमी का दिन उन सभी के लिए बेहद शुभ दिन माना जाता है जो हिंदू धर्म में आस्था रखते हैं। बता दें कि इस दिन को लेकर ऐसा माना जाता है कि बिना किसी मुहूर्त के सभी प्रकार के मांगलिक कार्य इस दिन संपन्न किए जा सकते हैं।

पारिवार की सुख–शांति और समृद्धि के लिए इस दिन व्रत रखा जाता है। पूजा थाली में रोली, ऐपन, चावल, स्वच्छ जल, फूल, घंटी, शंख आदि रखें। भगवान राम और माता सीता व लक्ष्मण की मूर्तियों पर जल, रोली और ऐपन अर्पित करें और इसके बाद मुट्ठी भरकर चावल चढाएं ।

रामनवमी पूजा विधि

- रामनवमी के दिन भगवान श्री राम की पूजा करने के लिए सबसे प्रातः काल जल्दी उठकर नहाकर साफ वस्त्र धारण करें।
- इसके बाद भगवान श्री राम माता सीता और लक्ष्मण की प्रतिमा स्थापित करें। इसके बाद भगवान श्री राम के साथ–साथ सभी को रोली का तिलक करें।
- इसके बाद चावल, फूल, घंटी और शंख भगवान श्री राम को अर्पित करें। इसके बाद भगवान श्री राम की विधिवत पूजा करें।
- इसके बाद भगवान श्री राम के मंत्रों का जाप करें, रामायण पढ़ें और रामचरित मानस का भी पाठ करें। अंत में सभी की आरती उतारें।
- इस दिन भगवान श्री राम को झूला अवश्य झूलाएं और किसी निर्धन व्यक्ति या ब्राह्मण को गेहूं और बाजरा अवश्य दान में दें।